

Living the

LOTUS

Buddhism in Everyday Life

6 2017

VOL. 141

FOUNDER'S ESSAY

कठिनाइयों का समय हमारी सच्चाई के क्षण हैं

जब एक दम्पति के रिश्ते में खट्टापन आ जाता है, तो उनका रिश्ता और बदतर हो जाता है, यदि उनके बच्चे अचानक सक्रिय हो जाते हैं और वे चीजों को इस प्रकार उड़ाते हैं जिससे माता-पिता इतने डर जाते हैं और आश्चर्य करते हैं कि कैसे उनके बच्चे भी ऐसा कर सकते हैं। इस स्थिति में कुछ लोग कहते हैं कि उनके पास कोई धारणा नहीं है कि क्या करना है। फिर भी, यह तब तक नहीं होता है जब तक कि आप अपने को किंकर्तव्यविमूढ़ की अवस्था में नहीं ले आते हैं और स्वयं कोई निर्णय ले सकने में असमर्थ हो जाते हैं और आप वास्तव में दूसरों के शब्दों को सुनने को तैयार हो जाते हैं।

बुद्ध सभी जीवित प्राणियों को आश्वासन देते हैं कि वे उनके बच्चे हैं, और वादा करते हैं कि वे कभी भी उनकी सहायता और रक्षा करने में असफल नहीं होंगे। इसके बावजूद भी, हम अक्सर अपने आप से बेदर्दी से पूछते हैं कि हमें जीवन में कठिन समय से क्यों

गुजरना पड़ता है। दुर्भाग्य एक के ऊपर आता जाता है, और कभी-कभी हम हताश होकर देवों और बुद्ध के अस्तित्व पर ही प्रश्न करते हैं। फिर भी, बुद्ध हमें त्यागते नहीं हैं।

हमें जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, बुद्ध भी उन्हें देख रहे हैं और हमें निर्देश करते हैं कि स्वयं के ऊपर सघन अवलोकन करने और यथोचित परिवर्तन करने का यही समय है यह ठीक है कि जब हम किनारे पर पहुँच जाते हैं, हमें सच्चाई के क्षणों का सामना होता है। और यह क्षण महत्वपूर्ण हैं, जिसके दौरान हमारे चारों ओर के लोग अपने सद्भाव के शब्दों के साथ हमारे पास पहुँचते हैं।

From *Kaisozuikan* 9 (Kosei Publishing Co.), p. 62-63

Living the Lotus
Vol. 141 (June 2017)

Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

Living the Lotus is published monthly
by Rishso Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-
kai.or.jp

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



PRESIDENT'S GUIDANCE

शिकायत से दूर रहें

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ-काइ

लगता है कि “मुझे पता है”

जब कुछ गलत हो जाता है, हम इसके बारे में कुढ़ना, शिकायत करते हैं। जापान में, हमारे समान एक मुहावरा है, गोचि ओ कोबोसु, जिसका अर्थ कुढ़ना या शिकायत करना है।

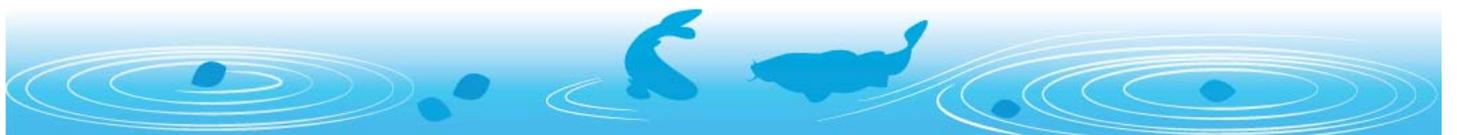
जिन दो कान्जी कैरक्टर गु एवं चि से गुचि बना है उनका अर्थ अज्ञान है। जैसा कि कैरक्टर चि के दो अंगभूत बीमारी एवं ज्ञान का अर्थ देते हैं, चि का अज्ञान अर्थ मन की उस अवस्था का भाव देता है जिसमें कोई सब कुछ जानने का दावा करता है लेकिन पूर्ण रूप से ग्रहण नहीं कर सका है। और कैरक्टर गु में मानसिक क्रिया के मन्द पड़ने का अर्थ है।

इसके अतिरिक्त, शिकायत करने के लिए जापानी शब्द का अर्थ भी उन चीजों के लिए रोना-पिटना है जिनके सम्बन्ध कोई कुछ नहीं कर सकता है। हालाँकि हम जानते हैं कि शिकायत करने से वास्तव में कोई बात नहीं बनती है, हम गलत चीजों के लिए शिकायत करते हैं, और कभी-कभी, जब कोई चीजें वैसी नहीं होती हैं जैसा हम चाहते हैं, तो हम स्थिति को किसी और का षड्यंत्र बताकर शिकायत करते हैं।

हम सहज ही शिकायत करने से दूर नहीं हो सकते हैं, क्योंकि गलत सोच के कारण हमें लगता है कि हम जो जानते, अनुभव करते और सोचते हैं, वे बिल्कुल सही हैं। यह कुछ भी नहीं, बल्कि “हमें पता है” जैसी बीमारी से हमारा पीड़ित रहना है।

सत्य को समझना

गलत शिकायत करने के कारणों में एक वह सोच है कि हम सब कुछ जानते हैं। यदि आप इस मानसिकता पर विचार करते हैं, आपके गुमराह होने और शिकायत करने की संभावना नगण्य हो जाती है। इस प्रकार के आत्म चिन्तन से चीजों के प्रति आपकी धारणा गहन होती जाएगी, और जिसे एक बार आपने अपनी घबराहट और शिकायत के कारण के रूप में स्वीकार किया है, आप उसे बुद्ध की शिक्षा के रूप में स्वीकार कर सकते हैं।



यदि आप अपने दैनिक जीवन में बुद्ध की शिक्षा से परिचित रहते हैं, वह आपकी घबराहट और शिकायत करने की आदत को नियंत्रित करेगा। ऐसा सूत्रों एवं शास्त्रों में वर्णित है। एक गाथा है: “एक अज्ञानी व्यक्ति के मन में, ज्ञान उत्पन्न करता है।” जब आप अपनी शिकायत के कारण के बारे में सोचते हैं, “बुद्ध की शिक्षा में एक महत्वपूर्ण दिशानिर्देश मिलता है,” जो बुद्धि को क्रियाशील बनाता है।

मन की क्रियाओं को दृढ़ता से अपने नियंत्रण में करने का एक माध्यम है: उस सत्य को जानना जो विश्व की समस्त क्रियाओं को नियंत्रित करता है, दूसरे शब्दों में, यह सत्य की वास्तविकता है। यह सच है कि इस विश्व में हर चीज जो अस्तित्व में है, कारण-कार्य सिद्धांत के अनुसार उसका अन्त अवश्यम्भावी है। यही सिद्धांत सभी चीजों को परस्पर आश्रित बनाता है। यहाँ और अब, जिंदा होने के लिए आभार है, इस सिद्धांत के लिए धन्यवाद है। जब यह स्पष्ट हो जाए, आप आभारी हो सकते हैं और तब शिकायत करने का कारण नहीं होगा। सरल शब्दों में, जब आप विश्व में अन्तर्निहित संचालक सत्य की वास्तविकता को समझते हैं, आप शिकायत करने में असक्षम रहेंगे।

सूत्र कहता है, जो लोग अवलोकितेश्वर बोधिसत्त्व को ध्यान में रखकर उनकी पूजार्चना करते हैं वे “अपनी मूर्खता” से दूर होने में सक्षम होंगे। इसका अर्थ है कि अवलोकितेश्वर बोधिसत्त्व को ध्यान में रखकर उनकी पूजार्चना करते हैं तो व्यर्थ शिकायत से मुक्त हो जायेंगे।

जब आपको लगता है कि आप शिकायत करने जा रहे हैं, तो अवलोकितेश्वर की करुणा के समान अपनी करुणा, अर्थात् अन्य लोगों के प्रति सहयोग की भावना, से आपका मन आपके स्वार्थी शब्दों और कार्यों को रोक सकेगा। “अवलोकितेश्वर बोधिसत्त्व, विश्व के दुःखों के हर्ता,” अवलोकितेश्वर की तरह बनने की मानसिक अभिव्यक्ति है। इसलिए जो अन्य लोगों की खुशी से आनन्दित होते हैं, वे घबराहट और शिकायत से कहीं बहुत दूर होते हैं।

यदि आपको लगता है कि आप अभी भी शिकायत करने की मुद्रा में हैं, तो सहर्ष ऐसी भवना से विरत रहें, “यही अवसर अपने ज्ञान को अंजाम देने का है।” या अपने दैनिक सूत्र पाठ के द्वारा अपने मानोभाव को पुनः परखने तथा सत्य की कसौटी पर चीजों को देखने और स्वीकार करने के इरादे को बनाये रखने का प्रयत्न है।

कोसेड से, जून 2017



मैं अपने मिथ्याभाषी पुत्र की प्रवृत्ति को बदलना चाहती हूँ

Q

प्रश्न: मैं अपने पुत्र के झूठ और कपट से परेशान हूँ। एक दिन, मेरे चौथे वर्ग के पुत्र ने मुझे बताया कि एक मित्र ने उसे गेम जीतने के रणनीति की किताब दी है, लेकिन उसके मित्र की माँ ने बाद में मुझे फोन कर कहा: "मेरे बेटे ने वह किताब आपके बेटे को दी थी, लेकिन वह इससे परेशान है कि आपके पुत्र ने उसे कभी वापस नहीं किया।" और यद्यपि मेरे पुत्र ने स्वयं शीशे तोड़ा था, उसने झूठ कहा कि इसमें चार वर्ष की छोटी बहन की गलती है, उसकी गलती नहीं है। वह बार-बार इस प्रकार का झूठ बोलता है, इन्हें कोई भी समझ सकता है कि वह झूठी बातें कह रहा है। जब कभी ऐसा होता है, मैं उसे झूठी बातें करने से मना करती हूँ, फिर भी, वह बार-बार वही करता है। मैं उसके भविष्य के बारे में बहुत चिंतित हूँ। यदि वह झूठ बोलता रहा, वह एक धोखेबाज बन जाएगा।



A

उत्तर: एक माता के रूप में आपकी उत्कट इच्छा है कि आपका पुत्र एक ईमानदार बच्चा बने, हमारी आपके इस सोच के साथ गहरी सहानुभूति है। एक बार जब कोई बच्चा एक झूठ कहता है तो माता-पिता को उसके कथन पर संदेह होता है और वे उस पर एक संदिग्ध की दृष्टि से नज़र रखते हैं। चूँकि एक माँ चाहती है कि उसका पुत्र ईमानदार और निष्कपट बने, आपके लिए आवश्यक है आप उससे पूछें कि "क्यों तुमने फिर से झूठ कहा?" लेकिन माँ का सच्चा इरादा पुत्र के बहरे कानों पर पड़कर भी उसे अलग ढंग से सोचने को प्रवृत्त करेगा। वह सोचेगा कि माँ का उस पर भरोसा नहीं है।

भले ही आपका बेटा झूठ बोलता है और हर कोई समझ लेता है कि वह झूठ बोल रहा है। कृपया उससे नाराज़ होकर नहीं बोलें कि "क्यों तुम झूठ कह रहे हो? मैंने तुम को अनेक बार झूठ बोलने से मना किया है!" इसके बजाय, जब आप सहज ही महसूस करती हैं कि आपका पुत्र झूठ बोल रहा है, तो आप उसे स्नेह से और सौम्य शब्दों में कहें, "ये क्या हो रहा है?" और ध्यान से सुनें कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। संभवतः उसके झूठ बोलने के पीछे कुछ विशेष कारण हो सकता है।

आपने उल्लेख किया है कि आपका पुत्र अपनी चार वर्षीय छोटी बहन पर दोष डालता है। क्या आपकी ऐसी भावना नहीं है कि "मेरा बेटा मुझे झूठ बोलकर बहुत परेशान करता है, जब कि मेरी बेटी अभी भी छोटी और सुंदर है?" सामान्य तौर पर, एक बच्चा इस बात के प्रति संवेदनशील रहता है कि उसके माता-पिता उसके बारे में क्या सोचते हैं। इस तरह का अकेलापन, माँ का प्यार पाने की चाह और माँ का ध्यान अपनी ओर खींचने की भावना उसके झूठ बोलने के पीछे कारण रहा हो।

उदाहरण के लिए, यदि आपके बेटे ने कहा था कि उसे अपने मित्र द्वारा एक पुस्तक दी गई है, तो कृपया इस तरह से उससे बात करें; "यद्यपि आपने सोचा था कि आपके दोस्त ने आपको किताब दी है, ऐसा लगता है कि वह वास्तव में आप को उधार देने के लिए ही इरादा था। शायद आपको गलत समझा जा रहा है।" इस तरह की स्थिति से इस तरह से दृष्टिकोण करें, बल्कि वह उसे कुछ कहकर डाँटते हुए कहते हैं, "आपने अपने दोस्त को

किताब देने के बारे में झूठ क्यों कहा?" और वह उसे अपने दोस्त माफी, कह रही है "मैंने आपको गलत समझा है मैं माफी चाहता हूँ।"

माता-पिता अक्सर अपने बच्चों से कहते हैं "कृपया मुझे सच सच बताओ कि क्या हुआ था। मैं तुझे नहीं डाँटूंगा।" लेकिन जब बच्चे वास्तव में सच सच बोलते हैं, तो कई माता-पिता आमतौर पर परेशान होते हैं और अपने बच्चों को डाँटते हुए कहते हैं, "देखो, मैं जैसा कहता हूँ, वही ठीक है।"

इस मामले में, जब आपने बच्चों को बिल्कुल भी नहीं डाँटने का बात कही है, आप उनको बुरा भला नहीं कहें। इसके विपरीत, कृपया माता-पिता अपने बच्चों की ईमानदारी की प्रशंसा करें और उन्हें स्वीकार करें, ताकि वे अपने माता-पिता के व्यवहार और शिष्टाचार से कुछ सीख सकें।

बच्चों को झूठ बोलने के कारण डाँट खाने के अतिरिक्त उन्हें माफी मिलने का भी अनुभव होता है, तो ऐसे लोग खुले दिल दिमाग से सच्चाई को स्वीकार कर सकते हैं।

प्राथमिक विद्यालय का कार्यकाल विद्यार्थियों के लिए क्या अच्छा या बुरा है, क्या सही या गलत है को जानने पहचानने का समय होता है। इन उम्र में, बच्चे माता-पिता की बातचीत और दृष्टिकोण से सहज ही प्रभावित होते हैं। कृपया माता-पिता के रूप में अपने बच्चों के साथ ईमानदारी और व्यापक मनोभाव के साथ लालन पालन में सावधानी रखें।

Point कोई ऐसा बच्चा नहीं है जो मिथ्याभाषी पैदा हुआ है

बच्चे अक्सर झूठ बोलते हैं, जब वे अपनी रक्षा करना चाहते हैं, और किसी तनावपूर्ण हालात से बचने के लिए या दरकिनार किए जाने पर अपनी रक्षा में झूठ का सहारा लेते हैं। कृपया पीछे देखें और विचार करें कि क्या आपने अपने बच्चों के साथ एक अभियोगात्मक व्यवहार किया है, उत्तर के लिए उन्हें दबाया है। बच्चों के झूठ बोलने का ठीक ठीक कारण स्पष्ट होना चाहिए।

(टोक्यो अनुसंधान संस्थान के परिवार शिक्षा द्वारा प्रदान उत्तर)

The Tokyo Research Institute for Family Education इस आधार पर काम करता है कि "यदि माता पिता बदल सकते हैं तो बच्चों में भी परिवर्तन आयेगा।" हम विभिन्न स्थानों में प्रेजेंटेशन देते हैं और संबन्धित माता पिता को अपनी सलाह देते हैं।

"Family education from their children" कार्यक्रम में हमारी मदद से अनेक हँसते खेलते परिवार निकल आये।

पूर्ण विश्वास की गरिमा

आप एक अद्भुत माँ हैं। अपने पुत्र के लिए सच्ची कामना के साथ सीधे सामना करने का प्रयास करती हैं कि वह एक अच्छा और जिम्मेदार बच्चा बने। जब लोग उनके हृदय को, जो उनकी ओर देख रहे हैं, छू सकने में समर्थ हैं वे अपने स्वाभाविक शक्ति का प्रदर्शन करेंगे।

यह एक ऐसी कहानी है जिसमें एदो रजवंश (1608-1867) के एक प्रसिद्ध भिक्षु ज़ेन पुजारी रियोकान (1758-1831) को उनके क्रूर स्वभाव के भतीजे उमानोसुके से शिक्षा देने के लिए कहा गया था, जिससे कि वह अपने माता-पिता के घर का उत्तरदायित्व ले सके। लेकिन जब वह वहाँ रह रहा था, रियोकान ने उसे नहीं तो कोई शिक्षा दी और नहीं तो कोई धर्मोपदेश दिया। और अंततः उसके प्रस्थान करने का दिन आ गया। घर के प्रवेशद्वार पर, रियोकान ने कहा: "उमानोसुके! क्या तुम कृपया मेरे उदरौसुक के लिए मेरी पुआल के सैंडल के फीते को बाँध दोगे?" उमानोसुके रियोकान के सैंडल का फीता बाँधकर महसूस किया कि वह मुक्त हो गया है, शिकंजे से छूट गया है। जब वह सैंडल का फीता बाँध चुका था उसे लगा कि उसके हाथ के ऊपर कुछ गरम- गरम टपका। जब वह ऊपर देखा, उसने पाया कि रियोकान की आँखों से आँसू बह रहे थे। उस दिन से उमानोसुके ने सदा के लिए अपने क्रूर स्वभाव का परित्याग कर दिया। रियोकान के आँसुओं ने उमानोसुके के लिए अपनी करुणा का प्रदर्शन किया और वे गर्वित होकर उसे गले लगा लिया।

माँ! क्यों आप अपने बेटे पर पूर्ण भरोसा नहीं करती हैं, भले ही आप पाती हैं कि वह झूठ बोल रहा है? उसमें आसान राहत की भावना है, परन्तु यह जानकर कि माँ उस पर भरोसा करती है, इससे उसका विवेक को प्रभावित करेगा और तुम्हारा पुत्र एक नये मार्ग पर चलना प्रारंभ कर सकता है और एक ऐसा बच्चा बनने का प्रयास करेगा जो माँ को शर्मिंदा नहीं करेगा, वह माँ जो हृदय से प्यार और देखभाल करती है।

(धर्म शिक्षा और मानव संसाधन विकास, रिश्शो कोसेइ काई विभाग द्वारा संपादकीय पर्यवेक्षण)



Please give us your comments!



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus.

living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

आनन्द देनेवाले समाचार से मेरा दिल हर्षित होता है

जब मैं अप्रैल में ताइवान की यात्रा पर था, मुझे टोक्यो स्थित रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल (RKI) से एक फोन कॉल आया: आदरणीय मिजुतानी, आपको मुख्यालय के दल के प्रमुख का पदभार दिया गया है जो इस वर्ष के एकयान (Oeshiki Ichijo) महोत्सव में योगदान करेगा।

एकयान (Oeshiki Ichijo) महोत्सव रिश्शो कोसेइ काइ के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है। जब एकयान महोत्सव के शोभायात्रा में चलते हैं, हम mando (पोर्टेबल प्रकाशमय पगोडा) लेकर संत निचिरेन के उत्कृष्ट कृत्यों का स्मरण करते हैं जिन्होंने पुण्डरीक सूत्र के प्रचार-प्रसार में अपना जीवन समर्पित किया, और पूज्य निक्क्यो निवानो का स्मरण करते एवं उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं जिन्होंने हमारे संगठन की स्थापना की और विश्व शांति के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

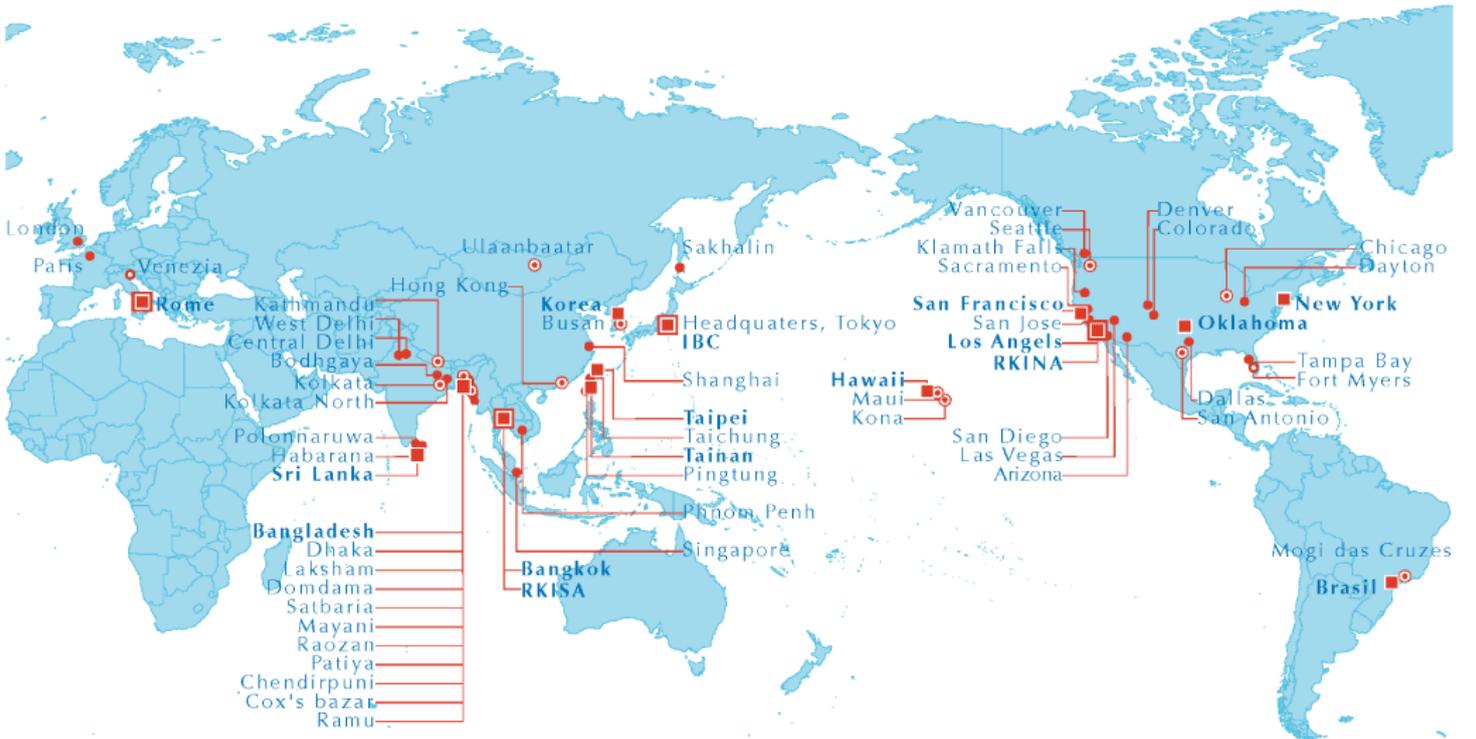
सर्व प्रथम जब मुझे फोन कॉल मिला, मैं कृतज्ञभाव से दायित्व को स्वीकार नहीं कर पाया। लेकिन शीघ्र ही मन में विचार आया: "मैं आभार के साथ दायित्व को स्वीकार नहीं सका, लेकिन इस दायित्व के माध्यम से, मैं कुछ नया और कुछ महत्वपूर्ण देखने में सक्षम हो सकता हूँ"; "यदि मैं इस दायित्व को स्वीकार करता हूँ, मैं इस वर्ष के महोत्सव को सबसे आकर्षक बनाने का प्रयत्न कर सकता हूँ।" मुझे लगा कि मेरे दिल और दिमाग में नयी उमंग और ऊर्जा का संचार हुआ है।

इसलिए मैंने महोत्सव के प्रभारी कार्यकारी निदेशक को बुलाया और इस दायित्व के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उसके ठीक बाद, मुझे एक और फोन कॉल मिला। वह टोक्यो के आर के आई कार्यालय से था: "आदरणीय मिजुतानी, हमें अभी सूचित किया गया है कि नामज़द प्रेसिडेंट कोशो निवानो जुलाई में रिश्शो कोसेइ-काइ के उलानबाटर केंद्र की यात्रा करेंगे।"

यह कितना अद्भुत है! मेरा हृदय एक के बाद एक खुशी देनेवाले अप्रत्याशित दो समाचारों को पाकर अत्यंत आनंद से ओतप्रोत हो गया।

शोको मिजुतानी

रिश्शो कोसेइ काइ अन्तरराष्ट्रीय विभाग निर्देशक



Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2017

Rissho Kosei-kai International

3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A

Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.

Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261

e-mail: rkseattlewashington@gmail.com

http://buddhistlearningcenter.org/

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.

Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745

e-mail: dharmasanantonio@gmail.com

http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay

2470 Nursery Road, Clearwater, FL 33764, U.S.A.

Tel: (727) 560-2927

e-mail: rktampabay@yahoo.com

http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.

Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633

e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.

Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.

Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.

Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567

e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.

Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437

e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.

Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499

e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.

Tel: 1-773-842-5654

e-mail: murakami4838@aol.com

http://home.earthlink.net/~rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.

Tel & Fax: 1-405-943-5030

e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1255 Galapago Street, #809 Denver, CO 80204, U.S.A.

Tel: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

425 Patterson Road, Dayton, OH 45419, U.S.A.

http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,

CEP 04116-060, Brasil

Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377

Fax: 55-11-5549-4304

e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,

CEP 08730-000, Brasil

Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongheng District, Taipei City 100, Taiwan

Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433

http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,

Taichung City 401, Taiwan

Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan

Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea

Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696

e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan

3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea

Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,

North Point, Hong Kong, Republic of China

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

International Buddhist Congregation (IBC)

3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 Fax: 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp <http://www.ibt-rk.org/>

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House#408/8, Road#7(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Mayani(Barua Para), Post Office: Abutorab, Police Station: Mirshari,
District: Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu**Rissho Kosei Dhamma Foundation, Sri Lanka**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
Tel: 94-11-2982406 Fax: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Other Groups**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**